NEWS CLIPPING:07.09.2023

PUNJAB KESARI

सर्वांगीण विकास शिक्षा का मुख्य उद्देश्य : के .के . गुप्ता

इंडक्शन प्रोग्राम छात्रों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से संवाद मुख्य वक्ता डॉ. के. के. गुप्ता व विशिष्ट अतिथि जगदीश चौधरी।

फरीदाबाद, 6 सितम्बर (पूजा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज और मीडिया तकनीकी विभाग द्वारा पत्रकारिता एवं जनसंचार, विसुअल कम्युनिकेशन एंड मल्टीमीडिया एवं सोशल वर्क के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का तीसरा दिन भारत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित रहा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि इंडक्शन प्रोग्राम के तीसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. के. के. गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बालाजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक जगदीश चौधरी ने भारत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर छात्रों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से संवाद किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. के. के. गुप्ता ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में सीखने और शारीरिक विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया।

NEWS CLIPPING:07.09.2023

HINDUSTAN

गौरवशाली ज्ञान परंपरा पर छात्रों ने संवाद किया

- जेसी बोस में तीन दिन से चल रहा इंडक्शन प्रोग्राम
- भारत की ज्ञान परंपरा पर कार्यक्रम आधारित

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सोशल वर्क के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का तीसरा दिन भारत की ज्ञान परंपरा पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि इंडक्शन प्रोग्राम के तीसरे दिन अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. केके गुप्ता तथा बालाजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक जगदीश चौधरी ने भारत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर छात्रों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से संवाद किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में सीखने और शारीरिक विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया। सर्वांगीण विकास भारतीय शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रसिद्धि थी। जिसमें मैत्रेयी, ऋतम्भरा, गार्गी और लोपामुद्राआदि जैसे नाम प्रमुख थे। जगदीश चौधरी ने कहा कि हर देश के लिए संतुलित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है क्योंकि यह उसकी वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण उत्प्रेरक की भूमिका निभाती है।

NEWS CLIPPING:07.09.2023

AMAR UJALA

पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम जारी

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज और मीडिया तकनीकी विभाग की ओर से पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम तीसरे दिन भी जारी रहा। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में बल्लभगढ़ अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. केके गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में बालाजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक जगदीश चौधरी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास भारतीय शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय शिक्षा प्रणाली ज्ञान, परंपराएं और प्रथाएं मानवता को प्रोत्साहित करती हैं। संवाद

NEWS CLIPPING:07.09.2023

REPCO NEWS

सर्वांगीण विकास शिक्षा का मुख्य उद्देश्य : के. के. गुप्ता

फरीदाबाद, 6 सितम्बर (रेपको न्यूज)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद फैकल्टी ऑफ़ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज और मीडिया तकनीकी विभाग द्वारा पत्रकारिता एवं जनसंचार, विसुअलकम्युनिकेशन एंड मल्टीमीडिया एवं सोशल वर्क के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का तीसरा दिन भारत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित रहा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि इंडक्शन प्रोग्राम के तीसरे दिन मुख्या वक्ता के रूप में अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. के. के. गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बालाजी ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन के निदेशक जगदीश चौधरी ने भारत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर छात्रों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से संवाद किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. के. के. गुप्ता ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में सीखने और शारीरिक विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया। सर्वांगीण विकास भारतीय शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। भारतीय शिक्षा प्रणाली ज्ञान, परंपराएं और प्रथाएं मानवता को प्रोत्साहित करती हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रसिद्धि थी जिसमें मैत्रेयी, ऋतम्भरा, गार्गी और लोपामुद्रादि जैसे नाम प्रमुख थे। बोधायन, कात्यायन, आर्यभट्ट, चरक, कणाद, वाराहमिहिर, नागार्जुन, अगस्त्य, भर्तृहरि, शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेकानेक महापुरुषों ने भारत भूमि पर जन्म लेकर अपनी मेधा से विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा के समिद्ध हेतु अतुल्य योगदान दिया है। अनुसंधान एवं ज्ञान के परिदृश्य में पूरा विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में आवश्यक है की हम सभी अपनी गौरवशाली ज्ञान परम्परा को ध्यान में रख विश्व पटल अपनी धक् मजबूत करें। शिक्षा नीति 2020 केअनुसार 2040 तक भारत के लिए एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का लक्ष्य होगा जो कि किसी से पीछे नहीं है। ऐसी शिक्षा व्यवस्था जहां किसी भी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित शिक्षार्थियों को समान रूप से सर्वोच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। यह 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है जिसका लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है तथाभारत की परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार को बरकरार रखते हुए, 21वीं सदी की शिक्षा के लिए आकांक्षात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

वहीँ विशिष्ट अतिथि जगदीश चौधरी ने कहा कि हर देश के लिए संतुलित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है क्योंकि यह उसकी वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण उत्प्रेरक की भूमिका निभाती है। जैसा कि हम जानते हैं कि चाहे किसी की पृष्ठभूमि कुछ भी हो, पारिवारिक आय और शिक्षा का अधिकार हर किसी के लिए एक आवश्यकता है। इस प्रकार, किसी राष्ट्र की सरकार प्रत्येक नागरिक के लिए व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए काम करेगी। इसका उद्देश्य देश की आवश्यकता के अनुसार सुविधाओं और नीतियों को बढ़ाना होना चाहिए ताकि यह समग्र विकास के साथ-साथ अर्थव्यवस्था की वृद्धि में भी योगदान दे सके। प्रत्येक बच्चे को स्कूल जाने और शिक्षित होने का अवसर मिलना चाहिए क्योंकि यह ठीक ही कहा गया है कि शिक्षित लोग एक शिक्षित राष्ट्र बनाते हैं । एक सुदृढ़ शिक्षा प्रणाली की शिक्षाएँ हमें हर तरह से अपने जीवन को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। व्यक्तियों के लिए, शिक्षा आत्मविश्वास बढ़ाती है। इस अवसर पर संचार एवं मीडिया तकनिकी विभाग के शिक्षक और प्रशिक्षक उपस्थित रहें।